

03 दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता • 06 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साक्षरता और स्किलिंग अलग रास्ते नहीं हैं • 08 खूटी जिले में पुल धंसने से आदिवासी लड़की नदी में तैरकर जाती है स्कूल

खबर के बाद शहीद भगत सिंह कालोनी में विधायक का दौरा

पश्चिमी दिल्ली के मादीपुर विधायक कैलाश गंगवाल ने सर्वधर्म मित्र मंडल के अध्यक्ष के. के. छाबड़ा के साथ शहीद भगतसिंह सिंह कालोनी का दौरा किया और लोगों की समस्याएं



संजय बाटला

नई दिल्ली। कालोनी की मुख्य समस्या पानी की कमी और साफ सफाई की थी। विधायक गंगवाल ने मीके पर ही जल बोर्ड के अधिकारियों को जल्द से जल्द सौंवर की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। (निगम कर्मचारियों को साफ सफाई पर विशेष तौर पर ध्यान देने के निर्देश दिए।)

सर्वधर्म मित्र मंडल के अध्यक्ष के के छाबड़ा ने विधायक कैलाश गंगवाल का ध्यान शहीद भगत सिंह कालोनी में बने कुड़ा घर हटवाने के प्रति दिलवाया। कुड़ा घर होमगार्ड के मुख्यालय और संजय गांधी पशु अस्पताल के साथ कालोनी में बना हुआ है, जिससे लोग नारकिये जीवन जीने पर मजबूर हैं। विधायक ने आश्वासन दिया कि इस बाबत अधिकारियों से बात करेंगे। छाबड़ा ने सरकारी भवन में खाली पड़े जगह की तरफ ध्यान दिलाया जिस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि मैं अधिकारियों से बात कर के कोशिश करूंगा यहाँ आरोग्य मंदिर बनाया जाए। इस अवसर पर भाजपा दिल्ली प्रदेश के अनुसूचित जाती के मंत्री कंचन गौतम प्रीतपाल मदान, मनोहर सिंह वेद प्रकाश,

बी. डी. गुप्ता, मदन, पुरषोत्तम, राजरानी, मुन्ना चौधरी सचिन, बलबीर सिंह, रावेल सिंह और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने विधायक का स्वागत किया। इस दौरान सर्व धर्म मित्र मंडल के अध्यक्ष के साथ समस्त कार्यकर्ता, कुलदीप सिंह, रजनी, हरप्रीत कालड़ा और साहिब सिंह के साथ शहीद भगत सिंह कालोनी के निवासी शामिल रहे। सर्व धर्म मित्र मंडल के अध्यक्ष के के छाबड़ा ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कालोनी के काम निगम पाषंड का है दुर्भाग्य है कि इस कालोनी को निगम पाषंड ने हमेशा ही अनदेखा किया और करती आ रही है। यह सारे काम नगर निगम के अंतर्गत आते हैं जिनके कारण इस कालोनी में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। विधायक द्वारा कालोनी का दौरा किया गया और विधायक ने इसे अपने फंड से समाधान करने के लिए घोषणा जनता के बीच में की। विधायक की इस घोषणा से हम लोगों में एक आशा कि किरण जागी है अब शायद कालोनी के अंदर विकास होगा। विधायक ने कहा जो भी इस कालोनी के विकास के काम होंगे उस के लिए मैं हमेशा तैयार हूँ और आगे से रहूँगा।



TRUCK CANTER PICKUP CAR TWO WHEELER

INSURANCE SERVICES

BY

MANNU ARORA

GENERAL SECRETARY RTOWA

Direct Code Hassel Free And Cash Less Services

Very Fast Claim Process Any Time Any Where

Maximum Discount

Office: CW 254 Sanjay Gandhi Transport Nagar Delhi-110042

Contact 9910436369, 9211563378

टॉलवा ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in

Email : tolwadelhi@gmail.com

bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम - डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए - 4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063

कॉर्पोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मैन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ बड़ौदा दिल्ली 110042

राष्ट्रीय ड्राइवर सयुक्त मोर्चा समिति

द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय में सौंपा गया पत्र रवि राठौर जी महासचिव एवं संस्थापक सुमेर अम्बावता

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पिछले कई वर्षों से चालकों की समस्याओं, शोषण और अत्याचार जो भारत में हो रहे हैं के खिलाफ राज्य सरकारों, सरकारी विभागों के अधिकारियों और भारत सरकार को अवगत कराने के लिए संगठन द्वारा पिछले कई वर्षों से पत्राचार के माध्यम, ऑनलाइन सत्याग्रह करने के माध्यम से बता रहे हैं मगर किसी के भी द्वारा कोई निष्कर्ष नहीं निकला। आज राष्ट्रीय ड्राइवर संयुक्त मोर्चा समिति द्वारा पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री से मिलने और अपने बात रखने के उद्देश्य से देश के 28 राज्यों के संगठनों द्वारा कार्यरत समिति के माध्यम से इच्छा जताई गई है, लोक निर्माण होगा क्या प्रधानमंत्री इनको मिलने का समय देते हैं या नहीं।

राष्ट्रीय ड्राइवर संयुक्त मोर्चा समिति के सदस्यों में देश के 28 राज्यों के प्रतिनिधि शामिल हैं

संस्थापक: सुमेर अम्बावता (मो. 9953779819) तेजेश पाठक (मो. 9324770043) सुरेश चन्द्र वादव (मो. 9721022467)

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, वाहन को सड़क से हटाने के लिए उसकी आयु की जगह फिटनेस को आधार बनाया चाहिए। उन्होंने पूर्व सरकारों पर काम न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और धूल रोकने के लिए काम कर रही है।

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, वाहन को सड़क से हटाने के लिए उसकी आयु की जगह फिटनेस को आधार बनाया जाना चाहिए। यदि वाहन की फिटनेस सही है तो उससे वायु प्रदूषण नहीं होगा। वायु प्रदूषण के समाधान के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही शक्तिशाली सड़कों व निर्माण कार्य से प्रदूषण वाली धूल रोकनी होगी। इस दिशा में उनकी सरकार काम कर रही है।

पूर्व की सरकारों ने इस दिशा में काम नहीं किया इस कारण कोर्ट, एनजीटी और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूए) को आगे आना पड़ा। इससे सबसे अधिक नुकसान दिल्लीवासियों को हुआ। पूर्व की सरकारों को सीएन ने ठरवाया जिम्मेदार 'बेहतर दिल्ली विकसित दिल्ली' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण की समस्या और पुराने वाहनों पर कार्रवाई के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, स्थानीय सरकार समस्या दूर करने के लिए काम कर रही है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। लगभग डार्ड हजार ई-वनों चलने लगे हैं। इसमें नियमित रूप से वृद्धि की जाएगी।

कल- डार्ड वर्ष में सार्वजनिक परिवहन में सिर्फ ई-व्हीकल अगले डार्ड वर्षों में सार्वजनिक परिवहन में सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन लगे। धूल की समस्या के मद्देनजर यानी फिटनेस के लिए ईवी इमारतों पर संप्रिंक्लर लगाए जा रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में चार संप्रिंक्लर लगे हैं। इन प्रयासों के बाद सीएक्यूए को पत्र लिखकर आयु पूरी कर चुके वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई रोकने की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि सीएक्यूए के आदेश पर पिछले दिनों आयु पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन देने पर रोक लगा दी गई थी। बाद में दिल्ली सरकार की मांग पर सीएक्यूए ने 31 अक्टूबर तक रास्ता दी है।

“वाहनों को आयु नहीं फिटनेस के आधार पर चलने की मिले अनुमति”

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वाहनों को हटाने के लिए आयु नहीं बल्कि फिटनेस को आधार बनाया चाहिए। उन्होंने पूर्व सरकारों पर काम न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और धूल रोकने के लिए काम कर रही है।

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, वाहन को सड़क से हटाने के लिए उसकी आयु की जगह फिटनेस को आधार बनाया जाना चाहिए। यदि वाहन की फिटनेस सही है तो उससे वायु प्रदूषण नहीं होगा। वायु प्रदूषण के समाधान के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही शक्तिशाली सड़कों व निर्माण कार्य से प्रदूषण वाली धूल रोकनी होगी। इस दिशा में उनकी सरकार काम कर रही है।

पूर्व की सरकारों ने इस दिशा में काम नहीं किया इस कारण कोर्ट, एनजीटी और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूए) को आगे आना पड़ा। इससे सबसे अधिक नुकसान दिल्लीवासियों को हुआ। पूर्व की सरकारों को सीएन ने ठरवाया जिम्मेदार 'बेहतर दिल्ली विकसित दिल्ली' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण की समस्या और पुराने वाहनों पर कार्रवाई के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, स्थानीय सरकार समस्या दूर करने के लिए काम कर रही है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। लगभग डार्ड हजार ई-वनों चलने लगे हैं। इसमें नियमित रूप से वृद्धि की जाएगी।



कल- डार्ड वर्ष में सार्वजनिक परिवहन में सिर्फ ई-व्हीकल अगले डार्ड वर्षों में सार्वजनिक परिवहन में सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन लगे। धूल की समस्या के मद्देनजर यानी फिटनेस के लिए ईवी इमारतों पर संप्रिंक्लर लगाए जा रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में चार संप्रिंक्लर लगे हैं। इन प्रयासों के बाद सीएक्यूए को पत्र लिखकर आयु पूरी कर चुके वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई रोकने की मांग की गई है।

उल्लेखनीय है कि सीएक्यूए के आदेश पर पिछले दिनों आयु पूरी कर चुके वाहनों को ईंधन देने पर रोक लगा दी गई थी। बाद में दिल्ली सरकार की मांग पर सीएक्यूए ने 31 अक्टूबर तक रास्ता दी है।

दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या का होगा समाधान इनर रिंग रोड पर बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर; सरकार ने दिए निर्देश

दिल्ली सरकार इनर रिंग रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की योजना बना रही है ताकि शहर में ट्रैफिक की समस्या से निपटा जा सके। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों को डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया है। कॉरिडोर लगभग 80 किलोमीटर लंबा होगा जिसमें रैप और लूप भी शामिल होंगे। विशेषज्ञ समिति इस साप्ताहिक आगे के कदमों पर चर्चा करेगी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली में यातायात की भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से पीडब्ल्यूडी राष्ट्रीय राजधानी के इनर रिंग रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की योजना बना रहा है। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने अधिकारियों को सलाहकार नियुक्त करने और प्रस्तावित कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अत्यधिक भीड़भाड़ वाले इनर रिंग रोड पर वाहनों की आवाजाही में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि रिंग रोड पर बढ़ते यातायात भार को देखते हुए हम मौजूदा सड़क के ऊपर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण करने की योजना बना रहे हैं। कुछ भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा और एलिवेटेड रोड को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए रैप और लूप बनाए जाएंगे। इनर रिंग रोड वर्तमान में लगभग 55 किलोमीटर लंबा है, जो उत्तरी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके से शुरू होकर आजपापुर तक फैला है। हालांकि,



प्रस्तावित एलिवेटेड कॉरिडोर लगभग 80 किलोमीटर लंबा होने की उम्मीद है, जिसमें कनेक्टिविटी में सुधार और बाधाओं को दूर करने के लिए रैप, लूप और अतिरिक्त लिंक रोड को भी शामिल किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि पीडब्ल्यूडी को एक सलाहकार की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा गया है जो रिपोर्ट के तकनीकी और व्यवहार्यता पहलुओं को तैयार करेगा। यह परियोजना दिल्ली सरकार की व्यापक सड़क योजना का हिस्सा है, जिसके तहत कई रुकावट वाले स्थानों पर यातायात की भीड़भाड़ से निपटने की योजना है, जिनमें से कई रिंग रोड कॉरिडोर पर पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि यातायात संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए पहले गठित एक विशेषज्ञ समिति इस सप्ताह आगे के कदमों पर चर्चा करने के लिए बैठक करेगी।

दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता



मुख्य संवाददाता/सुभा राणी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार सात अर्धुरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को मेडिकल हब बनाना सरकार का लक्ष्य है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार सात अर्धुरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोमवार को उत्तरी दिल्ली स्थित मॉडल टाउन क्षेत्र में नवनिर्मित यथार्थ मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार ही नहीं कर रही, बल्कि उसे सुलभ, पारदर्शी और जन-संवेदनशील भी बना रही है। सरकार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को बढ़ावा देकर राजधानी को एक मॉडल हेल्थकेयर सिस्टम की ओर ले जा रही है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्लीवासियों को तो बेहतर चिकित्सा सुविधा मिले, साथ ही देश की राजधानी को हम ऐसे मेडिकल हब में बदले, जहां देश-विदेश से लोग इलाज कराने आएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी आवश्यकता को देखते हुए दिल्ली सरकार सात अर्धुरी अस्पताल परियोजनाओं को सुपर स्पेशलिटी आईसीयू केंद्रों में बदल रही है, जहां विभिन्न गंभीर बीमारियों के लिए विशेष इलाज की सुविधा होगी। हर

अस्पताल को अलग बीमारी के इलाज के लिए समर्पित किया जाएगा, जैसे कैंसर, ट्रांसप्लांट या डिलीवरी के जटिल मामले। इसके साथ ही आईसीयू बेड्स की कमी को भी दूर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकारों के भ्रष्टाचार व विजन की कमी की वजह से दिल्ली का स्वास्थ्य ढांचा अभी भी अनेक गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। उन्होंने कोविड काल को याद करते हुए बताया कि उस समय अस्पतालों में बिस्तरों की भारी कमी थी और कई लोगों को इलाज न मिलने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर स्थिति में रही। उस समय प्रति 1,000 नागरिकों पर केवल 0.42 अस्पताल बेड उपलब्ध थे। 38 सरकारी अस्पतालों में केवल छह एमआरआई

और 12 सीटी स्कैन मशीनें थीं, जो किसी भी महानगर के लिए बेहद थिन की बात है। डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, दवाओं और आधुनिक उपकरणों की भारी कमी थी। अब इस कमी को दूर करने और अस्पतालों को अति आधुनिक बनाने के गंभीर प्रयास चल रहे हैं। दिल्ली के लोगों को चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नवनिर्मित अस्पताल अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों और बहुविशेषज्ञ सेवाओं से सुसज्जित हैं, जो दिल्ली सरकार की स्वस्थ दिल्ली, सशक्त दिल्ली' नीति को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भी सेवाएं देगा, जिससे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं निशुल्क मिल सकेंगी।

दिल्ली से चेन्नई तक: ILACC ने क्षितिज 2025 के भव्य उद्घाटन के साथ अपने दक्षिण भारत चैप्टर का शुभारंभ किया

मुख्य संवाददाता

इंडो लैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (ILACC), नई दिल्ली, भारत, ने ट्राइडेंट होटल, चेन्नई में ग्लोबल ट्रेड नेटवर्किंग कॉन्फ्लेव - क्षितिज 2025 के उद्घाटन संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसने उनके दक्षिण भारत चैप्टर की शुरुआत को चिह्नित किया।

ILACC के दक्षिण भारत चैप्टर के अध्यक्ष शक्तिशैल ने अपना दृष्टिकोण साझा किया: हमारे दक्षिण भारत चैप्टर का शुभारंभ

भारत के दक्षिणी राज्यों के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम का प्रतीक है। अपनी औद्योगिक गतिशीलता और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, यह क्षेत्र भारत-लैटिन अमेरिकी व्यापार में एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अच्छी स्थिति में है। क्षितिज 2025 तो बस शुरुआत है।

इस सम्मेलन में पेरू, क्यूबा, अल सल्वाडोर, वेनेजुएला, चिली और अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिकी देशों के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्यमियों, उद्योग जगत के नेताओं, व्यापार दूतों और राजदूतों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, महामहिम अल्लर्टो एंटोनियो गुआनी अमरिला, यूलेक के समन्वयक और उरुग्वे के राजदूत उपस्थित थे। मुख्य अतिथि, महामहिम अल्लर्टो एंटोनियो गुआनी अमरिला, उरुग्वे के राजदूत, ने बहुपक्षीय आर्थिक सेतु निर्माण में होराइजन जैसे मंचों के महत्व को रेखांकित किया और कहा, 'यह सम्मेलन हमारी अर्थव्यवस्थाओं को एकीकृत करने, हमारी संस्कृतियों को समझने और संवाद एवं उद्यम के माध्यम से



पारस्परिक समृद्धि पैदा करने की दिशा में एक सार्थक कदम का प्रतिनिधित्व करता है। उरुग्वे ने आईएलएसीसी और इसके दक्षिण भारत अध्याय के महत्व पर भी जोर दिया, जो व्यापार और वाणिज्य समृद्धि की दिशा में काम करता है। सीमा पार सहयोग, क्षेत्रीय साझेदारी और सतत व्यापार पहलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, होराइजन 2025 ने दो गतिशील क्षेत्रों, भारत और एलएसी के व्यापारिक समुदायों के बीच संवाद और जुड़ाव के लिए एक शक्तिशाली

मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम में उच्च-स्तरीय चर्चाएँ, व्यावसायिक मेलमिलाप सत्र और पैनल संवाद शामिल थे, जिनका उद्देश्य व्यापार कूटनीति को बढ़ाना और कृषि, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, फार्मास्यूटिकल्स और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बनाना था। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, आईएलएसीसी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री राजकुमार शर्मा ने सम्मेलन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'होराइजन 2025

केवल एक नेटवर्किंग मंच नहीं है; यह हमारे साझा भविष्य का प्रतीक है। भारत और लैटिन अमेरिका में व्यापार, नवाचार और सतत विकास की अपार संभावनाएँ हैं। विदेश मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विधिवत मान्यता प्राप्त इंडो-लैटिन अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स, अपने चार-सूत्री एजेंडे, यानी व्यापार, निवेश, नीति और वकालत के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय जुड़ाव को बढ़ावा देता रहता है।

जैसे भाजपा सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपए देने के लिए कमेटी बना दी, वैसे ही मंत्रियों के फोन के लिए भी बना देती- सौरभ भारद्वाज

मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली की भाजपा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए लाखों रुपए के मोबाइल फोन खरीदने के लिए गए फंडस पर आम आदमी पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई है। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार दिल्लीवालों की चिंता छोड़ अपने मंत्रियों के लिए लाखों रुपए के मोबाइल फोन खरीदने जा रही है। भाजपा को अपने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के लिए 1.50 और 1.25 लाख रुपए का फोन और अनलिमिटेड बिल का ऑर्डर निकालने में जरा भी देर नहीं लगी, लेकिन महिलाओं को 2500 रुपए देने के

लिए कमेटी बना दी। सरकार को मंत्रियों के फोन के लिए भी कमेटी बनानी चाहिए थी। निजी स्कूलों में फ्रीस वृद्धि, जल भराव, ट्रैफिक जाम, गरीबों के मकान तोड़ने से परेशान दिल्लीवाले भाजपा के सारे कारनामे देख रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की लाखों महिलाओं को भाजपा ने वादा किया था कि 8 माह 2025 से पहले उनके खातों में हर महीने 2500 रुपए आने शुरू हो जाएंगे। वह पैसा तो आया नहीं, उल्टा उसके लिए एक कमेटी बना दी गई। वह कमेटी बस मीटिंग-मीटिंग खेल रही है और अभी तक पैसे का कोई अंता-पंता नहीं है। उन्होंने कहा कि जब खुद के लिए 1.5 लाख

रुपए का फोन लेना हो और अनलिमिटेड बिल का ऑर्डर निकालना हो, तो वह तुरंत पास हो गया। इसके लिए भी भाजपा एक कमेटी बना लेती। वह कमेटी जाकर ढूँढती कि कौन सा मोबाइल फोन कितना का आता है, कौन सा मुख्यमंत्री के लिए ठीक रहेगा, कितना बिल आना चाहिए और सरकार को कितना बिल देना चाहिए। वहां कमेटी बस मीटिंग-मीटिंग खेल रही है। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि दिल्ली भाजपा की मुख्यमंत्री और मंत्रियों को बधाई।

सीएम और मंत्री 1.5/1.25 लाख का फोन और अनलिमिटेड बिल की योजना पास हुई है, विकास होना चाहिए, किसी का तो हो रहा है। 2500 रुपए नहीं भी दिए तो क्या, प्राइवेट स्कूल फ्रीस बढ़ी तो क्या, दिल्ली में खूब जल भराव हुआ तो क्या, बारिश में घंटों ट्रैफिक जाम तो क्या, हजारों विधवाओं को पेंशन काटी तो क्या, गरीब का मकान टूटा तो क्या? महिलाओं को 2500 देने पर कमेटी बना दी, 8 माह निकल गई, कमेटी कमेटी खेल रहे हैं। किसी एक महिला को 2500 नहीं दिए। अपने फोन के लिए भी कोई कमेटी बना देते, वहाँ तक चर्चा करते कि कितने का फोन होना चाहिए।

महिला मोर्चा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह



मुख्य संवाददाता

मयूर विहार जिला अध्यक्ष विजेन्द्र धामा के नेतृत्व में तथा सुनीता गर्ग की अध्यक्षता में यह सम्मान समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रिचा पांडे द्वारा महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में अपने अथक परिश्रम और समर्पण से संगठन को प्रचंड विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में पदाधिकारी भी उपस्थित रहे: सरिता तोमर प्रदेश महामंत्री, EDMC मंत्र एवं लोकसभा प्रभारी गुंजन गुप्ता जिला प्रभारी, सत्रिका झा सह प्रभारी सभी जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष रिचा पांडे द्वारा महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मानित करना था, जिन्होंने लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में अपने अथक परिश्रम और समर्पण से संगठन को प्रचंड विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिस जोश एकजुटता और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रही हैं वह सराहनीय है।

हम उन्हें न केवल सम्मानित करते हैं, बल्कि उनके संघर्ष में साथ देने का संकल्प भी लेते हैं। महिला मोर्चा आने वाले समय में और भी मजबूती से कार्य करता रहेगा।

हम सभी कार्यकर्ता यह संकल्प लेते हैं कि आने वाले हर चुनाव में हम माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साथ मजबूती से निभाएंगे और उन्हें प्रचंड विजय दिलाने में पूरी ताकत से जुटे रहेंगे।

नकली नोटों से 40 लाख की ठगी करने वाले गिरोह को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया

स्वतंत्र सिंह भुलार नई दिल्ली

नई दिल्ली: 06.07.2025 को एक शिकायतकर्ता ने थाना सी.आर. पार्क में शिकायत दर्ज कराई कि वह प्रॉपर्टी खरीदना चाहता था और इसके लिए अपने जानकारों से 40 लाख की राशि एकत्र की। 04.07.2025 को उसकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई जिन्होंने खुद को बैंक से नकदी बदलने का काम करने वाला बताया। वे उसे चित्तूरनज्ज पार्क के एक फ्लैट में ले गए, जहाँ कई अन्य लोग भी मौजूद थे। उन्होंने शिकायतकर्ता को बड़ी मात्रा में नकदी दिखाई और बदले में उसने उनके खाते में 40 लाख ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। बदले में उसे नकदी से भरा एक बैग दिया गया, जिसे कैश मशीन से गिनकर दिखाया गया।

बाद में जब उसने बैग खोला, तो उसमें **मनोरंजन बैंक ऑफ इंडिया** के नकली नोट निकले। आरोपी फरार हो चुके थे। शिकायत के आधार पर FIR दर्ज की गई और जांच शुरू हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जिम्मेदारी स्पेशल स्टॉफ / दक्षिण जिला को सौंपी गई। निरीक्षक **गिरीश चंद्र** के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई जिसमें SI नवीन,



SI दीपक, HC अक्षय, HC संदीप, HC राकेश, HC प्रवीण टोकस, कॉन्स्टेबल अशोक, खोईचुंग, मूलचंद, योगेंद्र शामिल थे। टीम ने गहन जांच कर सीसीटीवी फुटेज, व्हाट्सएप कॉल्स और बैंक ट्रांजेक्शन की जाँच की। गुप्त सूचना पर 09.07.2025 को **सैदुलाजाब, इग्नू रोड** स्थित फ्लैट से तीन आरोपी — **निखिल, प्रिंसपाल और परवेज** को गिरफ्तार किया गया। इनके खुलासे पर 10.07.2025 को **असगर खान** को भी गिरफ्तार किया गया। असगर खान ने पूछताछ में बताया कि उसने यह ठगी का तरीका बिहार निवासी **नसीम** से सीखा, जो पूरे भारत में ऐसा ही ठगी का रिकेट चलाता है। **असगर** ग्राहक लाने का काम करता था। **परवेज** फ्लैट की व्यवस्था करता था। **निखिल** असली नोट गिनकर बैग में रखता था। **प्रिंसपाल** पूरे ऑपरेशन में सहायता करता था। इनके साथ और भी लोग शामिल हैं, जिन्हें चिन्हित किया जा रहा है।

13 जुलाई को एलजी साहब ने भी वीडियो ट्वीट कर कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और क्राइम ब्रांच जांच कर रही है- सौरभ भारद्वाज

मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली में साम्प्रदायिक दंगा पैदा करने की कोशिश कर रही भाजपा पर आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने 12 जुलाई को एक ट्वीट कर कहा कि शहादरा में शरारती तत्वों ने कांवड़ मार्ग पर एक किमी तक कांच के टुकड़े बिखेर दिए। जबकि पुलिस ने जांच में खुलासा किया है कि ये घटना 12 नहीं, 10 जुलाई को है और रत्नास लेकर जा रहे ई-रिक्शा में किसी वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद कांच के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। इसी तरह का एक ट्वीट एलजी साहब ने भी की। इसलिए दिल्ली में साम्प्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश में मंत्री कपिल मिश्रा और एलजी साहब के खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए।

"आप" के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को चौधरी मतीन अहमद, विधायक संजीव झा के साथ पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली में पिछले 30 सालों से हम देखते आ रहे हैं कि लाखों कांवड़िए गंगा जी से गंगाजल लेकर अपने-अपने गांवों और कॉलेजियों में आते हैं और भोलेनाथ पर गंगाजल चढ़ाते हैं। हमने कभी नहीं सुना कि कांवड़ यात्रा में हिंदू-मुस्लिम फसाद हुआ हो। दिल्ली में प्रवेश करने के बाद कई ऐसे इलाके हैं, खासकर पूर्वी दिल्ली में, जो मुस्लिम बहुल हैं। फिर

भी, वहां कभी कांवड़ को लेकर सांप्रदायिक तनाव की बात नहीं सुनी गई। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 27 साल बाद भाजपा दिल्ली की सत्ता में आई है। बीजेपी सरकार में यह पहली कांवड़ यात्रा हो रही है। दिल्ली सरकार के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने 12 जुलाई को रात करीब 9:30 बजे एक ट्वीट करते हैं कि दिल्ली के शहादरा में कुछ शरारती तत्वों ने कांवड़ यात्रा के मार्ग पर लगभग एक किलोमीटर तक कांच के टुकड़े बिखेर दिए। पीडब्ल्यूडी और निगम कर्मचारी मार्ग को साफ कर रहे हैं, स्थानीय विधायक संजीव गोयल भी वहां मौजूद हैं और सीएम रेखा गुप्ता ने स्वयं घटना का संज्ञान लिया है, पीडब्ल्यूडी द्वारा शरारती तत्वों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी, कांवड़ यात्रा में कोई व्यवधान नहीं होने देगे। इसके बाद 13 जुलाई को शाम 4:04 बजे एलजी एक वीडियो के साथ ट्वीट किया कि जो कांवड़ यात्री नंगे पैर चलते हैं, उनके मार्ग पर एक किलोमीटर तक कांच बिखरे हुए पाए गए। पुलिस को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। पीडब्ल्यूडी को मार्ग को साफ करने का निर्देश दिया गया है। रोड़ को दो घंटे में साफ कर दिया गया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और क्राइम ब्रांच जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि एलजी ने भी ट्वीट किया, लेकिन हो सकता है उन्हें पूरी जानकारी न हो। लेकिन जब 13 जुलाई को शाम 6:30 बजे पुलिस ने



सारी मीडिया को बता दिया कि यह घटना 10 तारीख की थी और 12 तारीख की सुबह तक सड़क साफ हो चुकी थी, तो क्या कपिल मिश्रा और एलजी को दोबारा ट्वीट करके यह नहीं कहना चाहिए था कि गलत जानकारी दे दी गई? कोई साम्प्रदायिक मामला नहीं है। यह एक साधारण ई-रिक्शा एक्सीडेंट का मामला था, जिसके बाद कांच बिखर गया और गाड़ियों के टायरों से वह कांच 1 किलोमीटर तक फैल गया। लेकिन इसे ऐसा बताया

गया जैसे किसी ने जानबूझकर कांवड़ियों के रास्ते पर कांच बिखेर दिए। भाजपा दिल्ली में क्या करना चाह रही है? क्या कपिल मिश्रा और एलजी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं होनी चाहिए, जो दिल्ली में साम्प्रदायिक तनाव फैला रहे हैं? 12 जुलाई को कपिल मिश्रा और 13 जुलाई को एलजी के ट्वीट के बाद अलग-अलग माध्यमों से यह खबर पूरे देश में फैल गई और इस वजह से उस इलाके में तनाव पैदा हुआ कि कांवड़ यात्रा में विघ्न

डाला गया। यह बड़ी शर्म की बात है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह वही कपिल मिश्रा हैं, जिन्होंने 2020 में भड़काऊ भाषण देकर दंगे भड़काने का काम किया। जब हाई कोर्ट के जस्टिस मुरलीधर ने उनके खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया, तो उसी रात उनका ट्रांसफर कर दिया गया। यह कपिल मिश्रा की पृष्ठभूमि है। एलजी एक संवैधानिक पद पर हैं। अगर उनकी मंशा साफ होती, तो दो घंटे बाद वे अपने ट्वीट का

जवाब देकर कहते कि यह एक छोटा-सा ई-रिक्शा एक्सीडेंट था। लेकिन न कपिल मिश्रा ने ऐसा किया, न एलजी ने किया जो उनकी मंशा को दर्शाता है। इस दौरान जाने माने मुस्लिम नेता चर्च विधायक चौधरी मतीन अहमद ने बताया कि 1993 में मैं पहली बार विधायक बना। मैं देखता था कि जब मुस्लिम इलाका आता था, तो कांवड़िए जोर-जोर से हर-हर महादेव के नारे लगाते थे। 1994 में हमने कैप लगवाना शुरू किया। रोड़ नंबर 66 पर (यमुना विहार से सीलमपुर तक) हमने वॉलेंटियर्स घूमते थे और आज भी घूमते हैं। तब से लेकर आज तक कोई घटना नहीं हुई। हम रोज कांवड़ियों की सेवा करते हैं। मेरे नाम से पांच कैप चलते हैं। "आप" सरकार ने चार और कैप लगवाए। हिंदू भाइयों से हमारा हमेशा भाईचारा रहा है। जहां तक भाजपा की बात है, उनका तो मुद्दा हिंदू-मुस्लिम की बाते करना है। कोली पुल पर जो कैप लगता है, वह भी हमने लगवाया। दिल्ली में 20 कैप हमने अपने कंधे से लगवाए। हमें हिंदू-मुस्लिम में कोई फर्क नजर नहीं आता। लेकिन इस कांच वाली बात को क्यों फैलाया जाएगा? हम तो कांवड़ियों के लिए सड़क साफ करने वाले हैं, उनके लिए कारपेट बिछाने वाले हैं। हमने नहीं लाया कि किसी ने जानबूझकर ऐसा किया होगा। कोई दुर्घटना हो सकती है, लेकिन उसे साम्प्रदायिक रंग देना ठीक नहीं है।

छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में वृद्धि : अमीरों को राहत, गरीबों पर भार और क्रॉस सब्सिडी खत्म

विशेष टिप्पणी : संजय पराते



छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली की दरों में भारी वृद्धि की घोषणा की है। बिजली की बढ़ी हुई दरें जुलाई माह से ही लागू कर दी गई हैं और अगस्त माह के बिल में प्रदेश के गरीब उपभोक्ताओं को बिजली का झटका लगाना तय है। इन बढ़ी हुई दरों के जरिए भाजपा राज्य सरकार आम जनता से 523.43 करोड़ रुपए अतिरिक्त वसूलेंगी। हालांकि राज्य सरकार इस वृद्धि को मामूली बताने की कोशिश कर रही है, लेकिन यह कथित मामूली वृद्धि भी गरीब जनता की जेब पर कितनी भार पड़ने जा रही है, सरकारी आंकड़ों के सरसरी विश्लेषण से ही साफ दिखता है। इस समय छत्तीसगढ़ में कुल बिजली खपत लगभग 40264 मिलियन यूनिट है, जिसमें घरेलू उपभोक्ता लगभग 22000 मिलियन यूनिट बिजली का उपभोग करते हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए दरों में बढ़ोतरी औसतन 15 पैसे प्रति यूनिट है। इसका अर्थ है कि नियामक आयोग द्वारा कुल 523.43 करोड़ रुपयों के स्वीकृत घाटे में से लगभग 330 करोड़ रुपए घरेलू उपभोक्ताओं से ही वसूल किए जाएंगे। घरेलू उपभोक्ताओं में भी ज्यादा भार उन लोगों पर डाला गया है, जो गरीब होने के नाते बिजली का कम उपभोग करते हैं। 100 यूनिट तक उपभोग करने वाले लोगों पर, जिनमें से एकल

मद में उनकी लागत दुगुनी हो चुकी है। लेकिन यह बताया जा रहा है कि कृषि क्षेत्र के लिए बिजली दरों में बढ़े दरों का किसानों पर बोझ नहीं पड़ेगा, क्योंकि सरकार सब्सिडी के जरिए इसका भुगतान करेगी। चूंकि यह भुगतान आम जनता से वसूलें गए करों से ही किया जा रहा है, इसलिए यह आम जनता पर ही डाला जाने वाला बोझ है। भाजपा सरकार का दावा है कि बिजली की दरों में प्रति यूनिट औसत वृद्धि केवल 13 पैसे है। इस 13 पैसे को वसूलने के लिए यदि आम जनता पर औसतन 15 पैसे प्रति यूनिट भार डाला जाए और अमीरों पर औसतन केवल 10 पैसे प्रति यूनिट, तो इससे बिजली दरों में वृद्धि का वर्गीय चरित्र उजागर हो जाता है -- अमीरों को राहत और गरीबों पर भार। इससे साफ है कि क्रॉस सब्सिडी की अवधारणा को ही खत्म किया जा रहा है। कॉर्पोरेट आम जनता को क्रॉस सब्सिडी के जरिए सस्ती बिजली देने की अवधारणा के ही खिलाफ है, क्योंकि वे अपने मुनाफे से किसी भी तरह समझौता नहीं करना चाहते। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार प्री-पेड स्मार्ट मीटर निर्माणाधीन के जरिए बिजली क्षेत्र का पूरी तरह निजीकरण करना चाहती है। बिजली दरों में यह बढ़ोतरी इसी दिशा में बढ़ा हुआ एक कदम है। (टिप्पणीकार अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं।)

“एक पेड़ माँ के नाम” मातृ सम्मान का राष्ट्रीय संदेश: उपेंद्र सिंह

केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि धरती माँ और जन्मदात्री माँ के प्रति कृतज्ञता का भाव

आगरा— संजय सागर सिंह। पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक भावनाओं से जोड़ने वाला अनुठा अभियान एक पेड़ माँ के नाम अब एक जनादोलन का रूप लेता जा रहा है। इस अभियान की सराहना करते हुए समाजसेवी और वरिष्ठ नेता उपेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृ सम्मान का एक राष्ट्रीय संदेश है। उन्होंने आगे कहा, एक पेड़ माँ के नाम एक भावनात्मक और सामाजिक चेतना का प्रतीक बन चुका है, जो व्यक्ति और प्रकृति के बीच पुनर्संवाद स्थापित करता है। यह अभियान दिखाता है कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मातृभक्ति और पृथ्वी प्रेम की अभिव्यक्ति भी हो सकती है। इस अभियान से हम न केवल अपनी माँ के प्रति आभार प्रकट करते हैं, बल्कि धरती माँ के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। यह हमारे पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को निभाने का सशक्त माध्यम है।



स्थिति में हैं और इससे उन्हें गहरी संतुष्टि मिली। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक देखभाल की मांग करता है। उन्होंने मानसून के बाद पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण को अत्यंत आवश्यक बताया। **आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित धरोहर** उपेंद्र सिंह ने भावुक होते हुए कहा, आज हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए वृक्ष हमें जीवनदायिनी वायु

छाया और संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम भी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ वातावरण सौंपें। उन्होंने आगे यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श बनकर उभरा है। उन्होंने यह अपील की कि देश का हर नागरिक छोटे-छोटे परिवर्तनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए।

पायल एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन ने बांटी खुशियाँ

-- 170 जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री का वितरण
- पुलिस प्रशासन ने बच्चों को नशे से दूर रहने की सीख दी
सुनील विचोलकर
बिलासपुर, छत्तीसगढ़। पायल एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से नया मुक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस प्रशासन द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम गोपाल करियार एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं व बच्चों को नशे से दूर रहकर एक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देना था। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया और समाज में एक



जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। इस पुनीत अवसर पर पायल एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष पायल लाठ के नेतृत्व में संस्था द्वारा 170 बच्चों को किताबें, पेन और अध्ययन सामग्री वितरित की गई। पाठ्य सामग्री

पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। संस्था की अध्यक्ष पायल का यह गहरा विश्वास है बच्चे ही देश का भविष्य हैं। हम उन्हें जैसा सिखाएंगे, वे वैसा ही सीखेंगे। अगर उन्हें नशे की चीजें दिखाएंगे, तो वे उसी राह पर

चलेंगे, लेकिन अगर हम उन्हें किताबें, कॉपी और खेल की सामग्री देंगे, तो वे शिक्षा और सकारात्मकता की दिशा में बढ़ेंगे। यह कार्यक्रम पुलिस प्रशासन और सामाजिक संगठनों के बीच सहयोग का एक सुंदर उदाहरण था। पायल लाठ ने

कहा कि हम पुलिस विभाग का आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने हमें इस सामाजिक कार्य में सहभागी बनने का अवसर दिया। इस अवसर पर संचिव चंचल सलुजा एवं उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह राजपूत मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश सरकार
सूचना एवं जन संपर्क विभाग
(प्रैस प्रमाण)
संख्या- 480/सू(एनएसओ/वि/प्रैस)-42/2024 टीओसी0
तखतक : दिनांक 30 जून, 2025

समस्त उपनिदेशक/
सहायक निदेशक/
जिला सूचना अधिकारी/
प्रभारी जिला सूचना अधिकारी,
जिला सूचना कार्यालय,
जनपद

विषय- जिला स्तरीय स्थायी समिति गठित करने तथा समिति की बैठक प्रतिमाह नियमित रूप से आयोजित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,
आप अवगत ही हैं कि जनपद स्तर पर पत्रकारों एवं जिला प्रशासन के मध्य सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने तथा प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने के उद्देश्य से समस्त जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्थायी समिति गठित कर, उक्त समिति की बैठक प्रतिमाह नियमित रूप से आयोजित करण जाने की व्यवस्था है। इस सम्बन्ध में शासन एवं निदेशालय स्तर से समय-समय पर निर्देश जारी किये गये हैं।
एतद्वारा आपको निर्दिष्ट किया जाता है कि अपने जनपद में जिला स्तरीय स्थायी समिति की बैठक प्रतिमाह नियमित रूप से निर्धारित व्यवस्था के अनुसार आयोजित कराना सुनिश्चित करें। बैठक के आयोजन के उपरान्त अनुमोदित कार्यवृत्त मुख्यालय पर निदेशक महोदय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
कृपया पत्र प्राप्त के उपरान्त एक सप्ताह के अन्दर अपने जनपद में जिला स्तरीय स्थायी समिति के गठन तथा उक्त समिति की बैठक के आयोजन संबंधी विवरण उपलब्ध करायें।

(विशाल सिंह)
सूचना निदेशक।

संख्या- 480/सू(एनएसओ/वि/प्रैस)-42/2024 टीओसी0 तददिनांकित।
प्रतिनिधि- निम्नलिखित को सूचना एवं आगम्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1. समस्त जिलाधिकारी, 3000 को सूचना एवं आगम्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विशाल सिंह)
सूचना निदेशक।

पायल ने जरूरतमंद बच्ची को दी पढ़ाई की संजीवनी, भावनाओं से छलका मानवता का भाव

सुनील विचोलकर
बिलासपुर, छत्तीसगढ़। समाजसेवा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में एक अलग पहचान बना चुके पायल एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन ने एक बार फिर अपने मानवीय कदम से लोगों का दिल जीत लिया। आर्थिक तंगी से जूझ रही एक जरूरतमंद बच्ची की शिक्षा न रुक जाए, इस सोच के साथ फाउंडेशन की अध्यक्ष पायल लाठ ने उसे पाठ्य सामग्री भेंट कर नई उम्मीद की किरण दिखाई। यह बच्ची आर्थिक रूप से बेहद कमजोर परिवार से है। किताबें, कापियां, पेन-पेंसिल जैसी मूलभूत चीजों की कमी ने उसके चेहरे से मुस्कान छीन ली थी। स्कूल तो जाती थी, पर मन में चिंता थी कि कब शिक्षक नहीं किताब से पढ़ाएंगे और उसके पास सामग्री नहीं होगी। ऐसे में पायल लाठ ने जब उसके हाथ में पाठ्य सामग्री का बैग थमाया, तो उसकी आंखें नम हो उठीं। यह सिर्फ किताबें नहीं थीं, बल्कि उसके भविष्य की नींव थी, जो पायल ने अपने हाथों से

मजबूत की। पायल ने बच्ची को सामग्री देते हुए कहा, रहकर बच्चा पढ़े और बढ़े, यही मेरा सपना है। शिक्षा से बड़ा कोई उपहार नहीं होता। यदि हम किसी के सपनों को पंख दे सकें, तो इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है? उनकी यह बात बच्ची और उसकी माता के दिल को छू गई। इस अवसर पर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह राजपूत भी उपस्थित थे। बच्ची की मां ने भर्राई आवाज में कहा, रहम तो सोच भी नहीं सकते थे कि कोई हमारी बच्ची की पढ़ाई में इस तरह मदद करेगा। पायल दीदी हमारे लिए किसी फरिश्ते से कम नहीं हैं। समाज के लिए यह घटना एक प्रेरणा है कि छोटी-सी मदद किसी का जीवन संकती है। पायल जैसे लोग समाज में उम्मीद की रोशनी हैं, जो दूसरों के दुख को अपना समझकर आगे बढ़ते हैं। उनका यह कदम केवल एक बच्ची की सहायता नहीं, बल्कि शिक्षा और संवेदना की मिसाल है।



श्रीनाथ धाम में 29 वां अष्टोत्तरशत श्रीमद्भागवत सप्ताह पारायण एवं कथा महोत्सव 29 जुलाई से

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)
वृन्दावन। गांधी मार्ग स्थित श्रीनाथ धाम में सप्त दिवसीय 29 वां अष्टोत्तरशत श्रीमद्भागवत सप्ताह पारायण एवं कथा महोत्सव 29 जुलाई से 04 अगस्त 2025 पर्यन्त विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया जाएगा। जानकारों के लिए ध्यान देने योग्य है कि श्रीनाथ धाम में आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ 29 जुलाई को अपराह्न 03 बजे प्रख्यात संत सद्गुरु श्रीशंकर महाराज एवं श्रीमज्जगद्गुरु श्रीनाथपीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य दीप प्रज्वलित करके किया जाएगा। तत्पश्चात् 03 से सायं 06 बजे तक विश्वविख्यात भागवत प्रवचता पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा देश-विदेश से आए असंख्य भक्तों-श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत की कथा का रसास्वादन कराएंगे। इसके अलावा नित्य प्रातः 06 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक 108 वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा श्रीमद्भागवत महापुराण का मूल पारायण किया जाएगा। डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि महोत्सव के अंतर्गत 02 जुलाई को सायं 07 बजे से भागवत भूषण पवित्र श्रीनाथ शास्त्री पुराणाचार्य श्रीशंकर की पावन स्मृति में श्रीहनुमद् आराधन मण्डल के द्वारा सुन्दरकांड का संगीतमय सामूहिक पाठ किया जाएगा। 03 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे से कोलकाता के भुवालका जन कल्याण ट्रस्ट के द्वारा ब्रज विपुति अभिनन्दन एवं मेधावी छात्र-छात्रा प्रोत्साहन समारोह आयोजित होगा। स्वागतार्थक पीपूष शर्मा एवं पद्मनाभ शास्त्री ने सभी भक्तों-श्रद्धालुओं से इस महोत्सव में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

तीन दिन से ट्रांसफार्मर खराब होने से ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाए गंभीर आरोप

परिवहन विशेष न्यूज



बिनावर: जनपद बदायूं के ग्राम पंचायत ब्यौर के मझरा सेमरमई में तीन दिन से ट्रांसफार्मर खराब होने से ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लगाए गंभीर आरोप। भीषण गर्मी में बिजली की आंख-मिचौली ने लोगों को परेशान कर दिया है। ग्रामीणों ने बिनावर जेई सतीश चंद्र से ग्राम सेमरमई में तीन दिन से ट्रांसफार्मर खराब पड़ा होने से नया ट्रांसफार्मर रखवाने की मांग की है। भीषण गर्मी में बिजली की आंख-मिचौली से सेमरमई गांव के लोगों में हाहाकार मचा हुआ है। मामूली हवा से बिजली गुल होना आम बात हो गई है। बिजली आने और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। ट्रांसफार्मर फुके पड़े हैं और लोग

बिजली को तरस रहे हैं। भीषण उमस भरी गर्मी में ग्राम पंचायत ब्यौर का मझरा सेमरमई का ट्रांसफार्मर तीन दिन से फूँका होने के चलते ग्रामीण अधिकांश नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। जिससे श्रद्धेय ग्रामीण एकत्र होकर फुके हुए ट्रांसफार्मर पर पहुंच गए। जहां उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों पर लगाए गंभीर आरोप लगाया कि

रहा है बिजली न होने की वजह से गांव में नल और हैडपंप भी पानी देना बंद हो चुके हैं इससे पीने का पानी और पशुओं के लिए पानी की भी गंभीर समस्या खड़ी हो गई है घरेलू कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गए हैं ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते उन्हें भीषण गर्मी में रातें अंधेरे में गुजारनी पड़ रही हैं छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा परेशान हैं। इससे ग्रामीणों में न्यायगी और ज्यादा बढ़ गई है ग्रामीणों ने बिजली विभाग बिनावर जेई सतीश चंद्र से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर रखवाने की मांग की है। तीन दिन से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। जिससे ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़

विद्युत लाइन जर्जर होने के कारण आए दिन तार टूटते रहते हैं....

परिवहन विशेष न्यूज



बिनावर: विद्युत उपखंड बिनावर के निजामपुर पश्तोर में विद्युत लाइन जर्जर होने के कारण आए दिन तार टूटते रहते हैं, इस कारण बिजली आपूर्ति बाधित रहने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी में पसीने पसीने होकर रातें काटनी पड़ती हैं। ग्राम निजामपुर पश्तोर का विद्युतीकरण तीन दशक पहले हुआ था। तब से लेकर अब तक लाइन को कोई मरम्मत नहीं हुई और न ही मेंटेनेंस का कार्य हुआ। इससे विद्युत लाइन पूरी तरह से गिरने से अनहोनी घटना घटने से टल गई है। बावजूद इसके जेई सतीश चंद्र लाइनों को बदलवाने का नाम नहीं ले रहे हैं। गांव की बस्ती के अंदर बिजली की लाइन इतनी ज्यादा खराब हो चुकी है कि आए दिन तार गिरते रहते हैं।

जिससे विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते हैं कोई अनहोनी घटना भी घटित हो सकती है। कई बार गांव में बच्चे और लोगों के साथ भी हादसा होने से टला है। लाइन

स्ट्रोक की पहचान के लिए याद रखें तीन आसान स्टेप: S, T और R



अगर आसपास के लोग स्ट्रोक के संकेत नहीं पहचानते, तो मरीज के दिमाग को गंभीर नुकसान हो सकता है। **तीन सरल प्रश्न पूछें:** S: (Smile) मुस्कान दें मरीज से कहें कि वह मुस्कुराए अगर मुंह का एक कोना नीचे लटक रहा हो, तो यह संकेत है। T: (Talk) बात करें मरीज से एक आसान वाक्य बोलने को कहें जैसे: "आज मौसम साफ है।" अगर वह ठीक से, स्पष्ट रूप से न कह पाए, तो यह भी एक संकेत है। R: (Raise) हाथ उठाएं मरीज से कहें कि दोनों हाथ उठाए। अगर एक हाथ गिर जाए या न उठे, तो यह संकेत है। ध्यान दें: एक और संकेत है -- मरीज से जीभ बाहर निकालने को कहें अगर जीभ एक तरफ झुकी हो या टेढ़ी लगे, तो यह भी स्ट्रोक का लक्षण हो सकता है। अगर मरीज इनमें से कोई भी कार्य नहीं कर पाता, तो तुरंत एम्बुलेंस या नजदीकी अस्पताल को फोन करें और लक्षणों की जानकारी दें। "दूसरों को गुलाब देने से खुशबू आपके हाथों में रह जाती है।" चाहे जितने भी व्यस्त रहो, पुण्य के कार्य को प्राथमिकता दो।

हयुंडई इन्स्टर ईवी के मजबूती का यूरो एनसीएपी क्रैश टेस्ट में खुलासा, इन 4 कमियों से नहीं मिल पाई 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। धोनी को कारों और बाइक सवारी का काफी ज़्यादा शौक है और दुनिया की कई बेहतरीन कारों उनके गैराज में शामिल हैं। कौन सी पांच सबसे बेहतरीन कारें महेंद्र सिंह धोनी के गैराज में खड़ी हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान या कैप्टन कूल के नाम से पहचाने जाने वाले महेंद्र सिंह धोनी आज अपना जन्मदिन (MS Dhoni Birthday) मना रहे हैं। उनको क्रिकेट के साथ ही कारों का भी काफी ज़्यादा शौक है। धोनी के गैराज में वैसे तो कई कारें खड़ी हुई हैं, लेकिन कौन सी पांच ऐसी बेहतरीन कारें हैं जिनमें धोनी अक्सर सफर करते हुए नजर आते हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Jeep Grand Cherokee TrackHawk

महेंद्र सिंह धोनी को अमेरिकी वाहन निर्माता जीप की ग्रैंड चिरोकी की ट्रैकहॉक काफी पसंद है। इस एसयूवी को अपने ताकतवर इंजन और परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही इसमें ज़्यादा जगह के साथ अग्रेसिव स्टाइल भी मिलता है। एसयूवी में 6.2 लीटर की क्षमता का वी8 पेट्रोल इंजन मिलता है।

Mercedes Benz G 63 AMG

मर्सिडीज बेंज की ओर से ऑफर की जाने वाली Mercedes Benz G 63 AMG भी धोनी के गैराज में शामिल एक बेहतरीन एसयूवी है। देश के कई बॉलीवुड एक्टर और व्यापारियों के पास भी इस एसयूवी को देखा जा सकता है। इसमें चार लीटर का ट्विन टर्बो वी8 पेट्रोल इंजन मिलता है।

Nissan Jonga

महेंद्र सिंह धोनी की कार कलेक्शन में Nissan Jonga भी शामिल है। विंटेज और दमदार गाड़ी के तौर पर इसकी दुनियाभर में अलग पहचान है। इसमें भी चार लीटर की क्षमता का वी8 इंजन मिलता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक धोनी ने इस गाड़ी को अपनी कलेक्शन में 2019 में शामिल किया था।

Hummer H2

अमेरिकी सेना की पसंदीदा गाड़ी हम्बो से बनी हम्बर भी धोनी के गैराज में शामिल एक बेहतरीन एसयूवी है। धोनी के पास Hummer H2 है जिसमें 6.2 लीटर की क्षमता का वी8 इंजन मिलता है। धोनी को अक्सर इस एसयूवी में सफर करते हुए देखा जाता है।

Citroen Basalt

महेंद्र सिंह धोनी हाल में ही सिट्रोएन की बेसाल्ट कूप एसयूवी में सफर करते हुए नजर आए हैं। उम्मीद है कि यह धोनी की कार कलेक्शन में शामिल सबसे नई गाड़ी है। हालांकि धोनी सिट्रोएन के ब्रॉन्ड अंबेसडर भी हैं और उनको हाल में ही बेसाल्ट के ब्लैक एडिशन में सफर करते हुए देखा गया था।



2025 रिनाॅल्ट ट्राइबर की लॉन्च डेट फाइनल, अर्टिगा को टक्कर देगी नई फैमिली एमपीवी

परिवहन विशेष न्यूज

रेनो की ओर से भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट तक के वाहनों को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। निर्माता की ओर से बजट एमपीवी सेगमेंट में ऑफर की जाने वाली Renault Triber 2025 को लॉन्च करने की तैयारी हो रही है। इसे किस तारीख को किस तरह के बदलावों के साथ लॉन्च किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। हैचबैक से लेकर एसयूवी तक ऑफर करने वाली प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Renault की ओर से जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से इस गाड़ी के लॉन्च की तारीख भी तय कर दी गई है।

लॉन्च होगी 2025 Renault Triber
रेनो की ओर से जल्द ही बजट एमपीवी सेगमेंट में 2025 Renault Triber को लॉन्च करने की तैयारी की जा रही है। निर्माता की ओर से इस गाड़ी के लॉन्च की तारीख भी तय कर दी गई है।

कब होगी लॉन्च
निर्माता की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक 2025 Renault Triber को 23 जुलाई 2025 को लॉन्च किया जाएगा। इस एमपीवी में कई कॉम्पैक्ट बदलावों को किया जाएगा। लेकिन इंजन में किसी भी तरह का बदलाव होने की उम्मीद कम है।

लॉन्च से पहले ही रहीं टेस्टिंग



RENAULT TRIBER

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल में एमपीवी के फेसलिफ्ट को सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान फिर से देखा गया है। हालांकि इस यूनिट को भी पूरी तरह से ढंका गया था, लेकिन फिर भी इसके फ्रंट की कुछ जानकारी सामने आई है। इसमें नया बंपर, हेडलाइट और ग्रिल को दिया जाएगा। जिससे यह मौजूदा वर्जन के मुकाबले अलग नजर आएगी।

इंजन में नहीं होगा बदलाव
रिपोर्ट्स के मुताबिक रेनो की ओर से ट्राइबर एमपीवी के इंजन में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया जाएगा। इसमें मौजूदा इंजन को ही ऑफर किया जाएगा। फिलहाल

इस एमपीवी में एक लीटर की क्षमता का इंजन दिया जाता है जिसके साथ मैनुअल और एमटी ट्रांसमिशन को दिया जाता है। इस एमपीवी को पेट्रोल के साथ ही सीएनजी में भी ऑफर किया जाएगा।

किनसे है मुकाबला

रेनो की ओर से ट्राइबर को बजट एमपीवी सेगमेंट में ऑफर किया जाता है। इस सेगमेंट में इसका सीधा मुकाबला Maruti Ertiga के साथ होता है। इसके अलावा भी कीमत के मामले में इसे कई सब फोर मीटर एसयूवी और हैचबैक कारों से भी चुनौती मिलती है।

भारी छूट के साथ घर लाएं मारुति सुजुकी की कारें!

भारत की प्रमुख वाहन निर्माता Maruti की ओर से Arena डीलरशिप पर कई कारों को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इन कारों को July 2025 में खरीदने पर कितना व या ऑफर मिल रहे हैं। कैश डिस्काउंट एव सवेंज बोनस और कॉर्पोरेट बोनस के तौर पर कितना डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Maruti Arena डीलरशिप के जरिए कई बेहतरीन कारों को बिक्री की जाती है। अगर आप भी इस महीने कंपनी की किसी गाड़ी को Arena डीलरशिप से खरीदने का मन बना रहे हैं, तो July 2025 में किस तरह के Discount Offer दिए जा रहे हैं। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Maruti Swift

मारुति की ओर से हैचबैक सेगमेंट में स्विफ्ट की बिक्री की जाती है। इस गाड़ी पर इस महीने के दौरान सबसे ज़्यादा ऑफर दिए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इसके पेट्रोल एमटी वेरिएंट पर 1.10 लाख रुपये तक बचाए जा सकते हैं। इसके सीएनजी और पेट्रोल वेरिएंट्स पर भी इस महीने 1.05 लाख रुपये के ऑफर मिल रहे हैं।

Maruti Alto K10

मारुति की ओर से ऑल्टो के 10 पर July 2025 में अधिकतम 67500 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। कंपनी ऑल्टो के 10 के AMT वेरिएंट पर अधिकतम डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ इसे खरीदने पर इस महीने में 62500 रुपये तक की बचत की जा सकती है।

Maruti S-Presso

मारुति की एस प्रेसो कार पर भी July 2025 में अधिकतम 62500 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। इस महीने में इस गाड़ी के भी AMT वेरिएंट को खरीदने पर यह बचत की जा सकती है। इसके अलावा इसके मैनुअल पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट्स पर अधिकतम 57500 रुपये के डिस्काउंट का फायदा लिया जा सकता है।

Maruti Celerio

सेलेरियो पर मारुति की ओर से July महीने में अधिकतम 67500 रुपये के ऑफर दिए जा रहे हैं। सेलेरियो पर इस महीने में यह ऑफर AMT वेरिएंट पर दिया जा रहा है। इसके अलावा पेट्रोल मैनुअल और सीएनजी मैनुअल पर इस महीने 62500 रुपये के डिस्काउंट का फायदा दिया जा रहा है।

Maruti Wagon R

कंपनी की ओर से वैन आर पर भी अधिकतम 1.05 लाख रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। वैन आर पर July महीने में यह बचत LXI पेट्रोल मैनुअल और सीएनजी वेरिएंट्स पर की जा सकती है।

Maruti Brezza

मारुति की ओर से कॉम्पैक्ट एसयूवी के तौर पर Brezza को लाया जाता है। कंपनी की इस गाड़ी को इस महीने में खरीदने पर अधिकतम 35 से 45 हजार रुपये बचाए जा सकते हैं।

Maruti Ertiga

मारुति की सात सीटों वाली अर्टिगा पर भी इस महीने निर्माता की ओर से 10 हजार रुपये की बचत का मौका दिया जा रहा है।

सिट्रोएन ई स्पेसटोरि : दमदार फीचर्स और जबरदस्त रेंज के साथ यह इलेक्ट्रिक MPV, क्या भारत में होगी लॉन्च?



परिवहन विशेष न्यूज

फ्रांस की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Citroen की ओर से भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट तक के वाहनों को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्माता की ओर से जल्द ही लॉन्च की जाने वाली इलेक्ट्रिक एमपीवी सेगमेंट में नई गाड़ी के तौर पर Citroen e-Spacetourer को लॉन्च किया जा सकता है। इसमें कैसे फीचर्स मिलते हैं। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट तक के वाहनों को

बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉन्च की जाने वाली इलेक्ट्रिक एमपीवी सेगमेंट में सिट्रोएन की ओर से नई गाड़ी को लॉन्च किया जा सकता है। यह Citroen e-Spacetourer नाम से आ सकती है। इसमें किस तरह के फीचर्स और रेंज को दिया जाता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

भारत आ सकती है Citroen e-Spacetourer

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिट्रोएन की ओर से जल्द ही नई गाड़ी को लॉन्च किया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक इसे इलेक्ट्रिक लॉन्चिंग एमपीवी सेगमेंट में लाया जा सकता है। इस गाड़ी को दुनिया के

कई देशों में Citroen e-Spacetourer नाम से ऑफर किया जाता है।

ईवी वर्जन होगा पेश

कई देशों में इसे ICE वर्जन में भी ऑफर किया जाता है। लेकिन भारत में इसे सिर्फ ईवी सेगमेंट में ही लाया जा सकता है। हालांकि अभी निर्माता की ओर से इस बारे में किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी गई है।

क्या है खासियत

Citroen e-Spacetourer में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इसमें 16 इंच स्टील रिम व्हील, ऑटो हेडलाइट्स, ऑटो वाइपर, ब्ल्यूटूथ टेलीफोन कनेक्टिविटी, वायरलेस मिरर स्क्रीन, टाइप सी चार्जिंग पोर्ट, 10 इंच एचडी स्क्रीन, चार

स्पीकर, चार टिवटर ऑडियो सिस्टम, एसी, इलेक्ट्रिक और हीटिंग डोर मिरर, 10 इंच इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, रियर पार्किंग असिस्ट, ट्विन स्टाइडिंग रियर डोर, एबीएस, इबीडी, क्रूज कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, आइसोफिक्स चाइल्ड क्रेजर, टीपीएमएस जैसे कई बेहतरीन फीचर्स दिए जाते हैं।

कितनी है रेंज

निर्माता की ओर से Citroen e-Spacetourer में 49 और 75 kWh की क्षमता की बैटरी के विकल्प दिए जाते हैं। जिससे इसे सिंगल चार्ज में 215 किलोमीटर से 455 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

कितनी होगी कीमत

निर्माता की ओर से अभी इसके लॉन्च को लेकर भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। ऐसे में कीमत की जानकारी लॉन्च के बाद ही दी जा सकती है। फिलहाल इसे ब्रिटेन सहित कई यूरोपीय देशों में ऑफर किया जाता है। ब्रिटेन में इसकी कीमत 44.56 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 64.69 लाख रुपये तक है।

किनसे होगा मुकाबला

अगर इसे भारत में लॉन्च किया जाता है तो इसका बाजार में MG M9 से सीधा मुकाबला होगा। इसके अलावा इसे BYD eMAX7 और Kia Carnival जैसी लॉन्चिंग एमपीवी से भी चुनौती मिल सकती है।

टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर का प्रेस्टीज पैकेज हुआ पेश, नई एक्सेसरीज से बेहतर होगी लुक

परिवहन विशेष न्यूज

देश की प्रमुख वाहन निर्माताओं में शामिल Toyota की ओर से कई सेगमेंट में वाहनों की बिक्री की जाती है। निर्माता की ओर से ऑफर की जाने वाली मिड साइज एसयूवी Toyota Urban Cruiser Hyryder के लिए नए Prestige Package को पेश कर दिया है। इस पैकेज में किस तरह की एक्सेसरीज को ऑफर किया जा रहा है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हैचबैक से लेकर एसयूवी सेगमेंट में कई वाहनों को ऑफर करने वाली निर्माता Toyota की ओर से मिड साइज एसयूवी Toyota Urban Cruiser Hyryder के लिए Prestige Package को पेश कर दिया गया है। इस पैकेज में किस तरह की एक्सेसरीज को दिया जा रहा है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

पेश हुआ Prestige Package

टोयोटा की अर्बन क्रूजर हाईराइडर

एसयूवी को मिड साइज एसयूवी के तौर पर ऑफर किया जाता है। इस एसयूवी के लिए निर्माता की ओर से प्रेस्टिज पैकेज को पेश कर दिया है। इस पैकेज में कई एक्सेसरीज को ऑफर किया गया है।

कौन सी एक्सेसरीज को किया गया ऑफर

निर्माता की ओर से प्रेस्टिज पैकेज में 10 अतिरिक्त एक्सेसरीज को ऑफर किया गया है। जिसमें डोर वाइजर - प्रीमियम एसएस इस्टेट के साथ, हूड प्रतीक, रियर डोर लिड गार्निश, फेंडर गार्निश, बॉडी क्लैडिंग, फ्रंट बम्पर गार्निश, हेड लैंप गार्निश, रियर बम्पर गार्निश, रियर लैंप गार्निश - क्रोम और बैक डोर गार्निश को दिया गया है।

कैसे हैं फीचर्स

टोयोटा की ओर से एसयूवी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इसमें प्रोजेक्टर एलईडी लाइट्स, एलईडी डीआरएल, ऑटो हेडलाइट, एलईडी टेल लैंप, हाई माउंट स्टॉप लैंप, रूफ रेल, रियर विंडो वाइपर और वॉशर, शॉक फिन एंटीना,

ड्यूल टोन इंटीरियर, एंबिएंट लाइट्स, नौ इंच ऑटोमैटिक सिस्टम, एपल कार प्ले, एंड्रॉइड ऑटो, आर्किमिस ऑडियो सिस्टम, सात इंच इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हेड-अप डिस्प्ले, क्रूज कंट्रोल, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जर, ऑटो एसी, रियर एसी वेंटर, फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, पीएम 2.5 फिल्टर, को-लैस एंटी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

कितनी है कीमत

टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर की एक्स शोरूम कीमत 11.34 लाख रुपये से शुरू होती है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 20.19 लाख रुपये है।

किनसे होता है मुकाबला

Toyota की ओर से Hyryder को कंपनी चार मीटर से बड़ी एसयूवी के तौर पर ऑफर करती है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी का बाजार में सीधा मुकाबला Kia Seltos, Hyundai Creta, Honda Elevate, Maruti Grand Vitara, Mahindra XUV 700, Scorpio N जैसी SUVs के साथ होता है।



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साक्षरता और स्किलिंग अलग रास्ते नहीं हैं

विजय गर्ग



भारत अपनी तकनीकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण में है। 2022 के बाद से, जनरेटिव एआई ने तेजी से प्रगति की है, नवाचार को तेज किया है और जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए नई क्षमता को अनलॉक किया है। तकनीकी उन्नति की यह लहर भारत की विकास प्राथमिकताओं के साथ निकटता से संरेखित करती है, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में परिवर्तनकारी प्रभाव के अवसर मिलते हैं। प्रारंभिक उपयोग के मामले पहले से ही उभर रहे हैं, शिक्षा में व्यक्तिगत सीखने के समाधान से, कृषि में बेहतर फसल प्रबंधन के लिए भविष्य कहनेवाला विश्लेषण और स्वास्थ्य देखभाल में उन्नत निदान और पहुंच।

जैसा कि एआई समाधान दैनिक

डिजिटल इंटरैक्शन के अभिन्न अंग बन जाते हैं, प्रश्न अब केवल एआई टूल तक पहुंच के बारे में नहीं है; यह नागरिकों की क्षमता के बारे में है कि वे उनके साथ प्रभावी ढंग से और जिम्मेदार उपयोगकर्ताओं के रूप में संलग्न हों। वास्तव में इस अवसर का उपयोग करने के लिए, एआई साक्षरता में निवेश एक राष्ट्रीय अनिवार्यता है, जो हर नागरिक को एआई-संचालित दुनिया को नेविगेट करने और भविष्य को सक्रिय रूप से आकार देने का मार्ग प्रशस्त करती है।

भारत की एआई गणना क्षमता ने जानबूझकर निवेश के माध्यम से एक नाटकीय छलांग देखा है, जो अब कई प्रदाताओं के साम्राज्य के बाद 34,333 जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स) पर खड़ी है। यह पैमाना देश को विश्व स्तरीय एआई अनुसंधान और नवाचार का समर्थन करने, संप्रभु मॉडल विकसित करने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने वाले प्रभावशाली एआई समाधानों का समर्थन करने के लिए स्थान देता है। स्वदेशी एआई मॉडल विकास को बढ़ावा देने के लिए, संस्थानों को मूलभूत एआई मॉडल बनाने और तैनात करने के लिए चुना गया है। पहल के माध्यम से डेटा की गुणवत्ता और उपलब्धता को भी बढ़ाया जा रहा है

इसके अलावा, भारत का प्रतिभा पूल

पहले से ही वैश्विक प्रभाव बना रहा है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत 2016 से 2024 तक एआई कोशल पैठ में 25.2% की वृद्धि के साथ दुनिया भर में दूसरे स्थान पर रहा, और वर्ष-दर-वर्ष एआई प्रतिभा भर्ती दरों में दुनिया का नेतृत्व किया। इसके साथ ही, मिशन एक मजबूत प्रतिभा पाइपलाइन का पोषण करने पर केंद्रित है। विशेष रूप से, भारत एआई डेटा लैब्स के लॉन्च के माध्यम से टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवाओं के बीच एआई कोशल को मजबूत किया जा रहा है, जो डेटा और एआई में मूलभूत पाठ्यक्रम प्रदान करेगा।

इस गति को बनाए रखने के लिए एक व्यापक नींव बनाने की आवश्यकता होती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक नागरिक, न केवल शोधकर्ताओं और डेवलपर्स, एआई-संचालित भविष्य में सार्थक रूप से भाग ले सकता है, सभी के लिए मूलभूत एआई साक्षरता एक रणनीतिक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। यह युवा शिक्षार्थियों, हमारे भविष्य के नागरिकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो एक ऐसी दुनिया में बढ़ रहे हैं जहां एआई पहले से ही अपने रोजमर्रा के अनुभवों को आकार दे रहा है।

इस गति को बनाए रखने के लिए एक व्यापक नींव बनाने की आवश्यकता होती

है। यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक नागरिक, न केवल शोधकर्ताओं और डेवलपर्स, एआई-संचालित भविष्य में सार्थक रूप से भाग ले सकता है, सभी के लिए मूलभूत एआई साक्षरता एक रणनीतिक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। यह युवा शिक्षार्थियों, हमारे भविष्य के नागरिकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो एक ऐसी दुनिया में बढ़ रहे हैं जहां एआई पहले से ही अपने रोजमर्रा के अनुभवों को आकार दे रहा है।

आज के बच्चे पहले से ही एआई द्वारा गहराई से आकार के वातावरण में ढूँढे हुए हैं। 14-16 वर्ष की आयु के 80% से अधिक प्रामाण्य भारतीय बच्चे नियमित रूप से स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, सिफारिश इंजन, स्वतः पूर्ण उपकरण और चैटबॉट के साथ बातचीत करते हैं, यह महसूस किए बिना कि ये एल्गोरिदम अपनी पसंद, राय या व्यवहार को कैसे आकार देते हैं।

यह मुक विसर्जन वादा और जोखिम दोनों प्रदान करता है। एआई-संचालित प्लेटफॉर्म व्यक्तिगत सीखने और अनुकूली प्रतिक्रिया दे सकते हैं जो अन्यथा शिक्षार्थियों के लिए दुर्गम हो सकते हैं। एक ही समय में, एआई, शिक्षार्थियों, विशेष रूप से कम आय वाले क्षेत्रों से गंभीर रूप से जुड़ने वाले उपकरणों/केबिना, गलत सूचना, गोपनीयता जोखिम और एल्गोरिथम पूर्वाग्रह के लिए

अधिक असुरक्षित हैं।

एजेंसी, इक्विटी और सशक्तिकरण पर एआई का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि इस तकनीक को समझने और नेविगेट करने के लिए व्यक्तियों को कितनी अच्छी तरह तैयार किया जाता है। मूलभूत साक्षरता के बिना, युवा लोग एक समावेशी और अभिनव डिजिटल भविष्य में सक्रिय योगदानकर्ताओं के बजाय शेष निर्णय्य उपभोक्ताओं को जोखिम में डालते हैं। जैसा कि भारत एआई में अपने नेतृत्व को तेज करता है, पैमाने पर मूलभूत एआई साक्षरता का निर्माण आवश्यक है। एआई साक्षरता उन ज्ञान और प्रथाओं को संदर्भित करती है जो छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को यह समझने में मदद करते हैं कि एआई क्या है, यह उनके डिजिटल जीवन को कैसे आकार देता है और इसे सुरक्षित और सोच समझकर कैसे उपयोग किया जाए।

एआई समर्थ भारत का पहला बड़े पैमाने पर एआई साक्षरता कार्यक्रम है जिसे भारत के अल्पसंख्यक समुदायों के लिए डिजाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य सार्थक और जिम्मेदार एआई सगाई के लिए आवश्यक ज्ञान और प्रथाओं के साथ सशक्त और सस्ती निजी स्कूलों में 50 लाख छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को सशक्त बनाना है।

पाठ्यक्रम एकीकरण: सीएसएफ और आईआईटी मद्रास के साथ साझेदारी में

विकसित, एआई समर्थ एआई साक्षरता पाठ्यक्रम भारत की कक्षाओं के अनुरूप है और राज्यों के लिए एक सार्वजनिक अच्छा के रूप में उपलब्ध है और मौजूदा स्कूल दिनचर्या और विषय क्षेत्रों के भीतर लचीले एकीकरण के लिए डिजाइन किया गया है। प्रासंगिक सामग्री: भारत भर में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए एआई साक्षरता को सुलभ, आकर्षक और समझने के लिए प्रासंगिक प्रासंगिक शिक्षण सामग्री के बहुभाषी भंडार के रूप में डिजाइन किया गया है। सामग्री स्टैक में पाठ्यक्रम-संरेखित वीडियो, इन-क्लास शिक्षण सामग्री, पाठ योजना और भारत में विविध सीखने के वातावरण के अनुरूप मूल्यांकन शामिल होगा।

स्केलेबल डिलीवरी: भौगोलिक अखिल भारतीय में शिक्षार्थियों तक पहुंचने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों और कैस्केड शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से अलग किया गया। साथ में, इन रणनीतियों का उद्देश्य एआई साक्षरता को स्कूलों शिक्षा के कपड़े में एम्बेड करना, एक ऐसी पीढ़ी का पोषण करना है जो जिज्ञासा, आत्मविश्वास और सुरक्षा के साथ ज्ञान और प्रथाओं के साथ सशक्त और सस्ती निजी स्कूलों में 50 लाख छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को सशक्त बनाना है।

पाठ्यक्रम एकीकरण: सीएसएफ और आईआईटी मद्रास के साथ साझेदारी में

करना। इस आधार पर निर्माण, सरकार भारत एआई मिशन के 'फ्यूचर रिकल्ट्स' स्तंभ के तहत लक्षित पहलों के माध्यम से एआई में कोशल को आगे बढ़ा रही है। पैमाने और समावेशिता के लिए डिजाइन किया गया, पहल यह सुनिश्चित कर रही है कि उच्च-गुणवत्ता, हाथों पर AI और डेटा कोशल और एआई टियर 3 स्थानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ देश भर के शिक्षार्थियों तक पहुंचे।

जैसा कि भारत भारत एआई मिशन के माध्यम से अपनी एआई क्षमताओं को आगे बढ़ाता है, जिसमें बुनियादी ढांचे के निवेश, कोशल कार्यक्रम, उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट तक बेहतर पहुंच और महत्वपूर्ण डेटा में एआई टियर 3 स्थानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ देश भर के शिक्षार्थियों तक पहुंचे।

जैसा कि भारत भारत एआई मिशन के माध्यम से अपनी एआई क्षमताओं को आगे बढ़ाता है, जिसमें बुनियादी ढांचे के निवेश, कोशल कार्यक्रम, उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट तक बेहतर पहुंच और महत्वपूर्ण डेटा में एआई टियर 3 स्थानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ देश भर के शिक्षार्थियों तक पहुंचे।

इसका मतलब यह है कि एआई साक्षरता और कोशल अलग-अलग रास्ते नहीं हैं, बल्कि एक निरंतरता का हिस्सा है: साक्षरता जागरूकता, सूचित उपयोग और महत्वपूर्ण सोच को सक्षम बनाती है; स्किलिंग पेशेवर अनुप्रयोग के लिए गहरी विशेषज्ञता बनाता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद एमएचआर मलौट पंजाब

विज्ञान पुस्तकालय : विजय गर्ग

एक विज्ञान पुस्तकालय एक विशेष पुस्तकालय है जो वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में अनुसंधान, सीखने और ज्ञान प्रसार का समर्थन करने के लिए समर्पित है। पारंपरिक रूप से पुस्तकों और पत्रिकाओं के भौतिक संग्रह रखते हुए, आधुनिक विज्ञान पुस्तकालय तेजी से विशाल डिजिटल संग्रह का प्रबंधन करते हैं और विशेष डेटाबेस तक पहुंच प्रदान करते हैं। वे ज्ञान को अद्यतन करने, वैज्ञानिक सोच को बढ़काने और आगे बढ़ने को उत्तेजित करने के लिए आवश्यक संसाधनों के रूप में काम करते हैं। अनुसंधान में विज्ञान पुस्तकालयों की भूमिका विज्ञान पुस्तकालय अनुसंधान प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण और बहुआयामी भूमिका निभाते हैं:

सूचना तक पहुंच: उनका प्राथमिक कार्य विद्वानों की पत्रिकाओं, पुस्तकों, डेटाबेस और डिजिटल सामग्री सहित सूचना संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला को खरीद और पहुंच प्रदान करना है, जो साहित्य समीक्षा और साक्ष्य-आधारित प्रथाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं।

अनुसंधान सहायता और सूचना साक्षरता: लाइब्रेरियन संदर्भ सहायता, अनुसंधान परामर्श और सूचना साक्षरता निर्देश प्रदान करते हैं, जिससे शोधकर्ताओं को प्रभावी खोज रणनीतियों को विकसित करने, जटिल डेटाबेस नेविगेट करने और स्रोत विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है।

अनुसंधान दृश्यता को बढ़ावा देना: पुस्तकालय अपने काम को बढ़ावा देने में शोधकर्ताओं, विशेष रूप से प्रारंभिक कैरियर वाले लोगों की सहायता करते हैं। इसमें संप्रकाशित पत्रिकाओं के लिए अनुसंधान का संचार करने, संस्थागत रिपॉजिटरी (खुली पहुंच के लिए) पर शोध अपलोड करने, शोधकर्ता प्रोफाइल बनाने (जैसे, ORCID ID), और अनुसंधान प्रसार के लिए सोशल मीडिया के उपयोग की सलाह देना शामिल है।

संस्थागत लक्ष्यों का समर्थन: वे एक संस्था की प्रतिष्ठा में योगदान करते हैं, शीर्ष शोधकर्ताओं को आकर्षित करने और बनाए रखने में सहायता करते हैं, और आवश्यक संसाधन और विशेषज्ञता प्रदान करके अनुदान अनुप्रयोगों का समर्थन करते हैं।

शोधकर्ताओं के साथ जुड़ना: पुस्तकालय अपनी विकसित जरूरतों को समझने और प्रतिक्रियाओं और विद्वानों के संसार मॉडल के लिए सेवाओं को अनुकूलित करने के लिए शोधकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से संलग्न हैं। विज्ञान पुस्तकालयों का इतिहास पुस्तकालयों की अवधारणा हजारों साल पहले की है, जिसमें मिट्टी की

गोलियां और पेपिरस स्कॉल शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से, नवागित वैज्ञानिक और शैक्षणिक संस्थानों ने पुस्तकालयों की स्थापना को प्राथमिकता दी। समय के साथ, विज्ञान पुस्तकालयों की सामग्री पूरी तरह से पुस्तकों और पांडुलिपियों से काफी विकसित हुई, जिसमें वैज्ञानिक पत्रिकाओं के व्यापक रन शामिल थे, जो नए ज्ञान के महत्वपूर्ण भंडार बन गए। कैटलॉग, एक बार विद्वानों ने खुद को काम किया है, इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस में संक्रमण किया है, जैसा कि सार के संकलन हैं। उल्लेखनीय ऐतिहासिक उदाहरणों में सर हंस स्लोए को लाइब्रेरी शामिल है, जिसने ब्रिटिश संसदीय लाइब्रेरी का मूल गठन किया, और स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूशन की लाइब्रेरी प्रणाली की पुनः स्थापना की। विज्ञान पुस्तकालयों द्वारा आज चुनौतियों का सामना करना पड़ा सभी पुस्तकालयों की तरह विज्ञान पुस्तकालय, कई समकालीन चुनौतियों का सामना करते हैं:

डिजिटल परिवर्तन: डिजिटल युग के लिए अनुकूल सर्वोपरि है। इसमें विशाल डिजिटल संग्रह का प्रबंधन करना, जटिल सूचना परिस्थितिकी प्रणालियों को नेविगेट करना और तकनीकी अपूर्णता के बीच दीर्घकालिक डिजिटल संरक्षण सुनिश्चित करना शामिल है।

उपयोगकर्ता अपेक्षाओं का विकास: उपयोगकर्ता तेजी से जानकारी के लिए तत्काल और निर्बाध पहुंच की उम्मीद करते हैं, अक्सर डिजिटल साधनों के माध्यम से, पुस्तकालयों को अपनी सेवाओं और संसाधनों को अनुकूलित करने की आवश्यकता होती है।

सूचना अधिभार: लाइब्रेरियन को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक, एक चुनौतीपूर्ण कार्य को इंगित करने के लिए लगातार उत्पन्न सामग्री की विशाल मात्रा को फिल्टर करना होगा।

तकनीकी प्रवीणता: तेजी से विकसित प्रौद्योगिकियों (जैसे, आरएसएस फीड, विशेष डेटाबेस, सामग्री प्रबंधन प्रणाली) के बराबर रहना और सेवाओं में नए उपकरणों को एकीकृत करने के लिए निरंतर पेशेवर विकास की आवश्यकता होती है।

बजट बाधाएं: संसाधनों और सेवाओं के लिए सिकुड़ते बजट और बढ़ी हुई लागत पुस्तकालयों पर वित्तीय तनाव डालती है, जो आवश्यक डेटाबेस प्राप्त करने या अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है।

सेंसरशिप और बुक बैन: पुस्तकालयों को सेंसरशिप

के प्रयासों और सूचनाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से संबंधित बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो बौद्धिक स्वतंत्रता से समझौता कर सकते हैं।

सूचना साक्षरता: प्रचुर जानकारी के युग में, सामग्री के एक विशाल समुद्र के बीच विश्वसनीय स्रोतों को समझने के लिए उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। विज्ञान पुस्तकालयों का भविष्य चुनौतियों के बावजूद, विज्ञान पुस्तकालयों के भविष्य को सतर्क आशावाद के साथ देखा जाता है। पुस्तकालयों को गतिशील सूचना हब के रूप में विकसित होने की उम्मीद है। उनके भविष्य के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

संस्थापक सिद्धांतों का उपयोग करना: पुस्तकालय मुख्य सिद्धांतों जैसे देखभाल, नवाचार, वकालत और सूचना तक समान पहुंच को प्राथमिकता देते रहेंगे।

परिवर्तन के लिए अनुकूलन: वे इस बात में बदलाव के अनुकूल होंगे कि कैसे समाज सूचना और प्रौद्योगिकी के साथ बातचीत करता है, एक डिजिटल परिदृश्य तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करता है।

सूचना अधिभार: लाइब्रेरियन को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक, एक चुनौतीपूर्ण कार्य को इंगित करने के लिए लगातार उत्पन्न सामग्री की विशाल मात्रा को फिल्टर करना होगा।

तकनीकी प्रवीणता: तेजी से विकसित प्रौद्योगिकियों (जैसे, आरएसएस फीड, विशेष डेटाबेस, सामग्री प्रबंधन प्रणाली) के बराबर रहना और सेवाओं में नए उपकरणों को एकीकृत करने के लिए निरंतर पेशेवर विकास की आवश्यकता होती है।

बजट बाधाएं: संसाधनों और सेवाओं के लिए सिकुड़ते बजट और बढ़ी हुई लागत पुस्तकालयों पर वित्तीय तनाव डालती है, जो आवश्यक डेटाबेस प्राप्त करने या अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है।

सेंसरशिप और बुक बैन: पुस्तकालयों को सेंसरशिप के प्रयासों और सूचनाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से संबंधित बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो बौद्धिक स्वतंत्रता से समझौता कर सकते हैं।

सूचना साक्षरता: प्रचुर जानकारी के युग में, सामग्री के एक विशाल समुद्र के बीच विश्वसनीय स्रोतों को समझने के लिए उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। विज्ञान पुस्तकालयों का भविष्य चुनौतियों के बावजूद, विज्ञान पुस्तकालयों के

भविष्य को सतर्क आशावाद के साथ देखा जाता है। पुस्तकालयों को गतिशील सूचना हब के रूप में विकसित होने की उम्मीद है। उनके भविष्य के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

संस्थापक सिद्धांतों का उपयोग करना: पुस्तकालय मुख्य सिद्धांतों जैसे देखभाल, नवाचार, वकालत और सूचना तक समान पहुंच को प्राथमिकता देते रहेंगे।

परिवर्तन के लिए अनुकूलन: वे इस बात में बदलाव के अनुकूल होंगे कि कैसे समाज सूचना और प्रौद्योगिकी के साथ बातचीत करता है, एक डिजिटल परिदृश्य तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करता है।

सूचना अधिभार: लाइब्रेरियन को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक, एक चुनौतीपूर्ण कार्य को इंगित करने के लिए लगातार उत्पन्न सामग्री की विशाल मात्रा को फिल्टर करना होगा।

तकनीकी प्रवीणता: तेजी से विकसित प्रौद्योगिकियों (जैसे, आरएसएस फीड, विशेष डेटाबेस, सामग्री प्रबंधन प्रणाली) के बराबर रहना और सेवाओं में नए उपकरणों को एकीकृत करने के लिए निरंतर पेशेवर विकास की आवश्यकता होती है।

बजट बाधाएं: संसाधनों और सेवाओं के लिए सिकुड़ते बजट और बढ़ी हुई लागत पुस्तकालयों पर वित्तीय तनाव डालती है, जो आवश्यक डेटाबेस प्राप्त करने या अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है।

सेंसरशिप और बुक बैन: पुस्तकालयों को सेंसरशिप के प्रयासों और सूचनाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से संबंधित बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो बौद्धिक स्वतंत्रता से समझौता कर सकते हैं।

सूचना साक्षरता: प्रचुर जानकारी के युग में, सामग्री के एक विशाल समुद्र के बीच विश्वसनीय स्रोतों को समझने के लिए उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। विज्ञान पुस्तकालयों का भविष्य चुनौतियों के बावजूद, विज्ञान पुस्तकालयों के

भविष्य को सतर्क आशावाद के साथ देखा जाता है। पुस्तकालयों को गतिशील सूचना हब के रूप में विकसित होने की उम्मीद है। उनके भविष्य के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

संस्थापक सिद्धांतों का उपयोग करना: पुस्तकालय मुख्य सिद्धांतों जैसे देखभाल, नवाचार, वकालत और सूचना तक समान पहुंच को प्राथमिकता देते रहेंगे।

परिवर्तन के लिए अनुकूलन: वे इस बात में बदलाव के अनुकूल होंगे कि कैसे समाज सूचना और प्रौद्योगिकी के साथ बातचीत करता है, एक डिजिटल परिदृश्य तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करता है।

सूचना अधिभार: लाइब्रेरियन को अपने उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक, एक चुनौतीपूर्ण कार्य को इंगित करने के लिए लगातार उत्पन्न सामग्री की विशाल मात्रा को फिल्टर करना होगा।

तकनीकी प्रवीणता: तेजी से विकसित प्रौद्योगिकियों (जैसे, आरएसएस फीड, विशेष डेटाबेस, सामग्री प्रबंधन प्रणाली) के बराबर रहना और सेवाओं में नए उपकरणों को एकीकृत करने के लिए निरंतर पेशेवर विकास की आवश्यकता होती है।

बजट बाधाएं: संसाधनों और सेवाओं के लिए सिकुड़ते बजट और बढ़ी हुई लागत पुस्तकालयों पर वित्तीय तनाव डालती है, जो आवश्यक डेटाबेस प्राप्त करने या अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने की उनकी क्षमता को प्रभावित करती है।

सेंसरशिप और बुक बैन: पुस्तकालयों को सेंसरशिप के प्रयासों और सूचनाओं तक पहुंच को प्रतिबंधित करने के प्रयासों से संबंधित बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो बौद्धिक स्वतंत्रता से समझौता कर सकते हैं।

सूचना साक्षरता: प्रचुर जानकारी के युग में, सामग्री के एक विशाल समुद्र के बीच विश्वसनीय स्रोतों को समझने के लिए उपयोगकर्ताओं का मार्गदर्शन करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है। विज्ञान पुस्तकालयों का भविष्य चुनौतियों के बावजूद, विज्ञान पुस्तकालयों के

आज की अहमियत

विजय गर्ग

सुबह होते ही सूरज निकलने के साथ सारी धड़ियां बहकाने लगती हैं और प्रकृति अपने स्वर के लिए निकल पड़ती है। रात्रि में भी सैरी-रोटी के लिए काम करने वालों को छोड़ दे, तो शायद लम्बे से ज्यादातर लोग सुबह उठ जाते होंगे और उठने के कुछ पल बाद ही लम्बे में फिर मोबाइल आ जाता होगा। अंगुलियां शरीनी ढंभ से मोबाइल पर चलने लगती होंगी। साथ ही शैल पर शैल निकलती जाती होंगी। कभी रास्य, कभी नृत्य, कभी अग्रचक्रा ज्ञान लम्बे समय के कठे को ग्राणे खींचता जाता है। गुराणे में मन्न नन्न बीते कल की आदतों की पुनरावृत्ति कर रहा होता है, दूसरी ओर आने वाले कल के असाद और घबरालट की स्थिति अगलक नरु उठाए सामने खड़ी हो जाती है। रात को दोराए हुए प्रेणायुद और असाह जगाने वाले संकल्प न जाने कहां गुनो से जाते हैं। रोजमर्रा की समस्याओं का अंबार सामने वृणीती की तरह नजर आने लगता है। तमने तमता है कि बीती ठूठा कल ही सत्य है। जो आज है, वह असत्य है। इसके बाद फिर लम्बे बीते हुए कल से भी केवल नकारात्मकता का संदेश ही मिल पाता है। उधर लोग भी पुरानी स्मृतियों के कारण ल्मे गंभीरता से नहीं लेते हैं तो ल्म और कुंठित हो जाते हैं। ल्म बार-बार कभी गुस्से में, कभी असाह जगाने वाली बातों से श्रोत्रोपर जीवन बदलने का दृढ़ संकल्प लेते हैं, लेकिन ल्मेशे से मन का नकारात्मक प्रतिरूप फिर से ल्मे अंधकार में धकेल देता है। फिर लोग आसान और पलायन वाता रास्ता चुनकर, सारी वृणीतियों को आने वाले कल पर छोड़कर निश्चित हो जाता जो ल्मारे जीवन में न तो कभी आया है और न ही कभी आ पाएगा।

मन भी क्या करे ? उसका काम ही यह है कि वह ल्मारे रणनीतिक साझेदारी: पुस्तकालय अपनी सेवाओं को बढ़ाने और हितधारकों के लिए अपनी प्रासंगिकता प्रदर्शित करने के लिए क्षेत्रों और सीमाओं में साझेदारी को मजबूत करेंगे।

नैतिक जिम्मेदारी और स्थिरता पर ध्यान दे: इसमें पर्यावरणीय स्थिरता और संवेदनशील संरक्षक डेटा की नैतिक हंडलिंग, उनके संग्रह में अखंडता और विश्वसनीयता बनाए रखना शामिल है। संक्षेप में, विज्ञान पुस्तकालय पारंपरिक भंडार से गतिशील, उपयोगकर्ता-केंद्रित सूचना केंद्रों में बदल रहे हैं जो सक्रिय रूप से पूरे अनुसंधान जीवनचक्र का समर्थन करते हैं, तकनीकी प्रगति को गले लगाते हैं, और ज्ञान के लिए चैंपियन खुली पहुंच बनाते हैं।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद

आज की अहमियत

विजय गर्ग

सुबह होते ही सूरज निकलने के साथ सारी धड़ियां बहकाने लगती हैं और प्रकृति अपने स्वर के लिए निकल पड़ती है। रात्रि में भी सैरी-रोटी के लिए काम करने वालों को छोड़ दे, तो शायद लम्बे से ज्यादातर लोग सुबह उठ जाते होंगे और उठने के कुछ पल बाद ही लम्बे में फिर मोबाइल आ जाता होगा। अंगुलियां शरीनी ढंभ से मोबाइल पर चलने लगती होंगी। साथ ही शैल पर शैल निकलती जाती होंगी। कभी रास्य, कभी नृत्य, कभी अग्रचक्रा ज्ञान लम्बे समय के कठे को ग्राणे खींचता जाता है। गुराणे में मन्न नन्न बीते कल की आदतों की पुनरावृत्ति कर रहा होता है, दूसरी ओर आने वाले कल के असाद और घबरालट की स्थिति अगलक नरु उठाए सामने खड़ी हो जाती है। रात को दोराए हुए प्रेणायुद और असाह जगाने वाले संकल्प न जाने कहां गुनो से जाते हैं। रोजमर्रा की समस्याओं का अंबार सामने वृणीती की तरह नजर आने लगता है। तमने तमता है कि बीती ठूठा कल ही सत्य है। जो आज है, वह असत्य है। इसके बाद फिर लम्बे बीते हुए कल से भी केवल नकारात्मकता का संदेश ही मिल पाता है। उधर लोग भी पुरानी स्मृतियों के कारण ल्मे गंभीरता से नहीं लेते हैं तो ल्म और कुंठित हो जाते हैं। ल्म बार-बार कभी गुस्से में, कभी असाह जगाने वाली बातों से श्रोत्रोपर जीवन बदलने का दृढ़ संकल्प लेते हैं, लेकिन ल्मेशे से मन का नकारात्मक प्रतिरूप फिर से ल्मे अंधकार में धकेल देता है। फिर लोग आसान और पलायन वाता रास्ता चुनकर, सारी वृणीतियों को आने वाले कल पर छोड़कर निश्चित हो जाता जो ल्मारे जीवन में न तो कभी आया है और न ही कभी आ पाएगा।

मन भी क्या करे ? उसका काम ही यह है कि वह ल्मारे रणनीतिक साझेदारी: पुस्तकालय अपनी सेवाओं को बढ़ाने और हितधारकों के लिए अपनी प्रासंगिकता प्रदर्शित करने के लिए क्षेत्रों और सीमाओं में साझेदारी को मजबूत करेंगे।

नैतिक जिम्मेदारी और स्थिरता पर ध्यान दे: इसमें पर्यावरणीय स्थिरता और संवेदनशील संरक्षक डेटा की नैतिक हंडलिंग, उनके संग्रह में अखंडता और विश्वसनीयता बनाए रखना शामिल है। संक्षेप में, विज्ञान पुस्तकालय पारंपरिक भंडार से गतिशील, उपयोगकर्ता-केंद्रित सूचना केंद्रों में बदल रहे हैं जो सक्रिय रूप से पूरे अनुसंधान जीवनचक्र का समर्थन करते हैं, तकनीकी प्रगति को गले लगाते हैं, और ज्ञान के लिए चैंपियन खुली पहुंच बनाते हैं।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल, शैक्षिक स्तंभकार, प्रख्यात शिक्षाविद्, गली कौर चंद

मनोविज्ञान प्रतिकृति संकट से

उबरने के संकेत दिखाता है

विजय गर्ग

जैसे कि राजनीतिक विस्तार विज्ञान में जनता के विश्वास को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं थे, एक गहरी बैठो मुझ 2010 के दशक में खुद को विवेक के साथ स्पष्ट हो गया: प्रतिकृति संकट। शोधकर्ताओं के शोध किया कई प्रकाशित पत्रों का एहसास करें, विशेष रूप से मनोविज्ञान और चिकित्सा में, ऐसे परिणाम शामिल थे जिन्हें दोहराया नहीं जा सकता था। यह खराब विज्ञान का एक सफेद था जिसने दूसरों के काम को भी कम कर दिया था जो दोषपूर्ण परिणामों पर खड़ा किया गया था। लेकिन साइकोलॉजिकल साइंस में एडवांस इन मेथड्स इंस्ट प्रैक्टिसेज में प्रकाशित एक नए पेपर के अनुसार, मनोविज्ञान ने कम से कम अपना सफक सिद्धा होगा। इसके लेखक, द्यूक यूनिवर्सिटी पोस्टडॉक पॉल बोगदान, 2004 और 2024 के बीच प्रकाशित 2.4 लाख पत्रों की जांच करने के लिए कि क्या संकट सामने आने के बाद से क्षेत्र अधिक मजबूत हो गया था। बोगदान ने नाजुक पी मूल्यों पर ध्यान केंद्रित किया: सांख्यिकीय परिणाम जो महत्वपूर्ण (0.01 से 0.05) माना जाने वाला सामान्य कट-ऑफ को मुश्किल से साफ करते हैं। इस तरह के मूल्यों का हिस्सा जितना बड़ा होगा, उतना बड़ा होगा सम्वृत। बोगदान के अनुसार विश्लेषण, नाजुक महत्वपूर्ण परिणामों का हिस्सा 32% से गिर गया था संकट की शुरुआत 26% तक। उन्होंने यह भी पाया कि नीचे की ओर स्टाइल दिखाई दी हर प्रमुख उप-अनुशासन में, मजबूत काम की ओर एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव का सुझाव देना। नमूना आकार एक प्रमुख चालक था। औसत आकार 2015 से तेजी से बढ़



पर्यावरण में ई-कचरे का गहराता संकट

विजय गर्ग

चुनौतियों और संभावनाओं को इक्कीसवीं सदी को प्लास्टिक और ई-कचरे की समस्या पिछली सदी से विरासत में मिली है। पिछली सदी में भले ही यह बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन इस सदी में इससे संकट लगातार गहराता जा रहा है। प्लास्टिक के सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने भले ही हमारे जीवन को सहूलियत भरा और आरामदायक बनाया है, लेकिन इसके नतीजे भी उतने ही भयावह नजर आने लगे हैं। आज जिस रफ्तार से प्लास्टिक और ई-कचरे का ढेर बढ़ रहा है, उससे साफ है कि ये अब पर्यावरण और मनुष्य दोनों के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। हालांकि, विश्व के विकसित देशों के मुकाबले भारत में प्लास्टिक की खपत काफी कम है, लेकिन आने वाले कुछ

